clickastro

SERVED OVER 110 MILLION SMILES

SINCE 1984

RAHU-KETU TRANSIT

PREMIUM REPORT

rahu-ketu
TRANSIT REPORT

RAHUL KUMAR

rahu

र्द्धकायम महावीर्य
चन्द्रदित्य विमर्धनं
सिम्हीका गर्भसम्भुतं
तं राहुम प्रणमामृहं

I pray Lord Rahu, the son of Simhika who possesses immense power with just half a body. The great lord who can subdue even the Sun and the Moon.

ketu

पलाश पुष्प सकांशं
तारका ग्रहमस्तकं
रौंद्र रौद्रात्मकं
खोरम तं केतुम प्रणमामृहं

I pray Lord Ketu who is raging and fearsome. The lord whose colour is that of a palaca flower and who heads all stars and planets.

clickastro
Prepared using Astro-vision LifeSign Software.
Licensee:Astrovision Futuretech Pvt.Ltd.

Astro-Vision Rahu / Ketu Transit Report

नाम	:	RAHUL KUMAR
लिंग	:	पुरुष
जन्म तिथि	:	1 जनवरी, 1989 रविवार
जन्म समय (Hr.Min.Sec)	:	12:05:00 AM Standard Time
समय क्षेत्र (Hrs.Mins)	:	05:30 ग्रीनवीच रेखा के पूर्व
जन्म स्थान	:	New Delhi New Delhi India
रेखांश & अक्षांश (Deg.Mins)	:	77.12 पूर्व , 28.36 उत्तर
अयनांश	:	चैत्रपक्ष = 23 अंश. 42 मिनिट (कला). 19 सेकंड (विकला).
जन्म नक्षत्र -नक्षत्र पद	:	**हस्त- 4**
जन्म राशी - राशी स्वामी	:	**कन्या - बुध**
लग्न - लग्न स्वामी	:	कन्या - बुध
तिथि	:	नवमी, कृष्णपक्ष

सूर्योदय (घं.मी)	:	07:14 AM Standard Time
सूर्योस्त (घं.मी)	:	05:35 PM
दिनमान (Hrs. Mins)	:	10.21
दिनमान (Nazhika.Vinazhika)	:	25.52
स्थानीय समय	:	Standard Time- 21 Min.
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जन्म तिथि	:	शनिवार
कलि दिन	:	1859061
दशा पद्धति	:	विंशोत्तरी, वर्ष = 365.25 दिन

नक्षत्र स्वामी	:	चंद्र
गण, योनी, पशु	:	देव, स्त्री, भैंस
पक्षी, वृक्ष	:	काग, जंगली आम
चन्द्र अवस्था	:	12 / 12
चन्द्र वेला	:	35 / 36
चन्द्र क्रिया	:	58 / 60
दग्द्ध राशी	:	सिंह,वृश्चिक
करण	:	तैतिल
नित्य योग	:	अतिगंड
सूर्य की राशी - नक्षत्र का स्थान	:	धनु - पूर्वाषाढा
अंगादित्य स्थिति	:	पैर
Zodiac sign (Western System)	:	Capricorn

योग बिंदु - योगी नक्षत्र	:	162:44:0 - हस्त
योगी ग्रह	:	चंद्र
दुय्यम योगी	:	बुध
अवयोगी नक्षत्र - ग्रह	:	ज्येष्ठा-बुध
आत्मकारक (आत्मा)-कारकांश	:	मंगल - कुंभ
अमात्यकारक (मन / ज्ञानशक्ति)	:	शुक्र
अस्द्ध लग्न (पद लग्न)	:	वृषभ
धन अस्द्ध	:	धनु

ग्रहों का निरायन रेखांश

भारतीय फलित ज्यातिष में सभी गणनाएँ और संस्कार सायन पद्धति के अनुसार किये जाते हैं। सायन रेखांश से निरायण रेखांश को घटा कर निरायण मूल्य ज्ञात किया जाता है।

अयनांश की गणना के लिए अलग-अलग आधार रहे हैं। यहाँ चयन की हुई विधि है: चैत्रपक्ष= 23 अंश. 42 मिनिट (कला). 18 सेकंड (विकला).

ग्रह	रेखांश अंश:कला:विकला	राशी	राशी के रेखांश अंश:कला:विकला	नक्षत्र	पद
लग्न	161:53:33	कन्या	11:53:33	हस्त	1
चंद्र	172:47:08	कन्या	22:47:08	हस्त	4
सूर्य	256:36:51	धनु	16:36:51	पूर्वाषाढा	1
बुध	273:18:42	मकर	03:18:42	उत्तराषाढा	2
शुक्र	233:48:24	वृश्चिक	23:48:24	ज्येष्ठा	3
मंगल	356:22:59	मीन	26:22:59	रेवती	3
गुरू	033:02:11	वृषभ	03:02:11 वक्री	कृत्तिका	2
शनी	251:51:40	धनु	11:51:40	मूल	4
राहु	314:05:41	कुंभ	14:05:41	शततारका	3
केतु	134:05:41	सिंह	14:05:41	पूर्वा	1
गुलिक	160:10:54	कन्या	10:10:54	हस्त	1

राशी

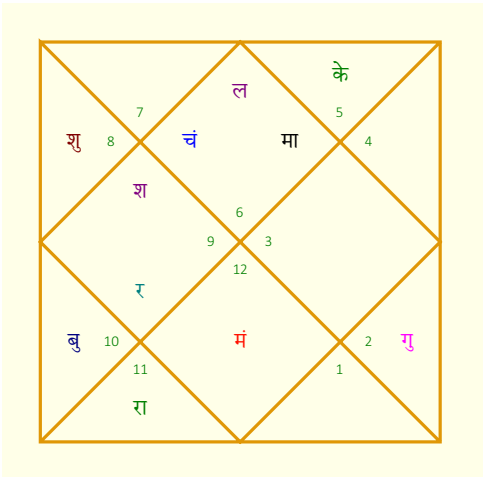

नवांश

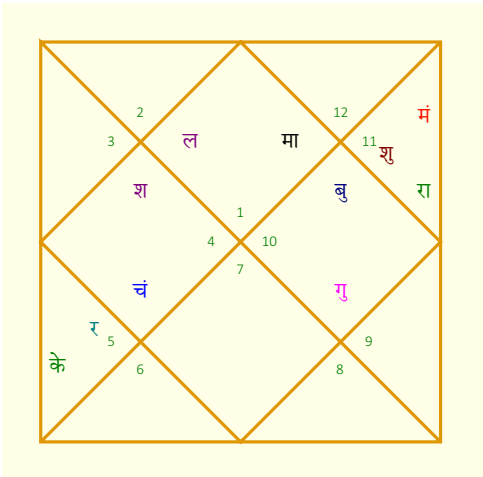

दशा और भुक्ती का विवरण काल

(वर्ष = 365.25 वार)

जन्म के समय दशा का भोग्य काल = चंद्र 0 वर्ष, 4 मास, 28 दिन

दशा	आरंभ	अन्त्य
चं	01-01-1989	31-05-1989
मं	31-05-1989	30-05-1996
रा	30-05-1996	31-05-2014
गु	31-05-2014	31-05-2030
श	31-05-2030	31-05-2049
बु	31-05-2049	31-05-2066
के	31-05-2066	31-05-2073
शु	31-05-2073	31-03-2086

अपने जन्म कुंडली में राहु और केतु का विश्लेषण

यदि हम राहु और केतु को ज्योतिषीय नजरिए से देखें तो वे दोनों ही हमें हमारे आसक्ति और विरक्ति से जोड़ते नजर आते हैं। राहु ग्रह वर्तमान जीवन में हमारी आसक्त भावनाएं, वासनियों और इच्छाओं को दर्शाता है, वही केतु विरक्ति, अलगाव और अरुचि को दर्शाता है। इसलिए, जिस भी भाव में राहु स्तिथ होगा, आप देखेंगे कि उस भाव की उन विशेषताओं को प्राप्त करने की आपकी प्रवृत्ति होगी। उस भाव से जुड़े मामले स्वाभाविक रूप से आपके समक्ष आते रहेंगे। जबकि जिस भाव में केतु स्तिथ होता है, आपकी मानसिकता भी उन चीजों को स्पष्ट रूप से दर्शाएगी।

चूंकि राहु और केतु एक ही शरीर के दो अंग हैं, इसलिए आप देखेंगे कि वे हमेशा एक दुसरे से सात घरों की दुरी पर रहते हैं। यदि राहु पहले घर में है तो आपको सातवें घर में केतु दिखाई देगा। वे अधिकांश समय वक्री होते हैं और बहुत कम ही वे सीधे चलते हैं। उनकी सीधे चलने की गति अत्यंत न्यून दर की होती है, इसलिए जन्म कुंडली में राहु और केतु को सीधी विधा में देखना असंभव है।

इस रिपोर्ट में आपको राहु और केतु के वर्तमान गोचर के आधार पर परिणाम मिलेगा। वे हर १८ महीने में राशि बदलते हैं। गोचर परिवर्तनों का परिणाम हमेशा आपकी जन्म कुंडली में राहु और केतु के स्तिथि पर निर्भर करता है। कुंडली के गोचर परिणाम खोजने में भाव, राशि, नक्षत्र और स्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आपको यह ज्ञात होना चाहिए की आपकी कुंडली में राहु और केतु किस भाव में स्तिथ है और यह छाया ग्रह बलवान है या निर्बल हैं।

राहु षष्ठ स्थान में है

छठे भाव का राहु प्रतिरोधशक्ति के लिए शुभ है। यह स्थान विभिन्न प्रकार के दबाव से जुड़ा हुआ है। ये वित्तीय, स्वास्थ्य या काम से संबंधित दबाव हो सकते है। राहु का अर्थ है आक्रामक ऊर्जा और यह आपको अपनी बाधाओं को दूर करने के लिए जबरदस्त शक्ति प्रदान करेगा। हां, बहुत संघर्ष तो होगा पर आप अपने दुश्मनों से लडने की प्रवृत रहेंगे। यह स्थान कनिष्ठ कर्मचारियों या सहकर्मियों से जुड़ा हुआ है। एक पुरुष के रूप में, आप उन पर काबू पाने की कोशिश करेंगे। आप कोई ऐसा व्यवसाय भी चुन सकते हैं, जिसकी मदद से आप दूसरे लोगों की रुकावटों को दूर कर सकें या उनकी मदद कर सकें। आप वकील या वित्तीय सलाहकार बन सकते हैं। लोग आपको एक दृढ इच्छाशक्ति वाले व्यक्ति के रूप में जानेंगे।

केतु द्वादश स्थान में है

बारहवें स्थान को मोक्ष स्थान कहा जाता है और यह राशि का सबसे रहस्यमय स्थान है। कुंडली में यह अंतिम स्थान है। यह कई रहस्यों का प्रवेश द्वार है, जैसे कि ब्रह्मांडीय ताकतें क्या हैं और वें मनुष्यों से क्या चाहते हैं। यह भाव प्रार्थना, ध्यान, अकेलापन और अलगाव से जुड़ा है। केतु भी इन सब विषयों से संबंधित है। वह एक ऐसी मानसिक स्थिति बनाता है जो आपको उपचार के प्रासंगिक क्षेत्र में दृढ़ रुचि और आकर्षण उत्पन्न करेगा। यह रुचि आक्रामक हो सकती है और एक पुरुष के रूप में आपको देखना होगा कि आपके प्रियजनों को इससे परेशानी न हो। आपको यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि आप व्यक्तिगत जिम्मेदारियों पर विचार कर रहे हैं और आप एक सांसारिक व्यक्ति के रूप में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। आप एक छायावादी बनने की कोशिश कर सकते हैं। आपको यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि क्या आपकी रुचियां आपको समृद्ध बना रही हैं और क्या आपके परिवार की देखरेख की जा रही है। जब केतु रहस्य के स्थान पर होता है, तो आप अपने प्रियजनों के संपर्क में नहीं होते हैं। इससे पारिवारिक जीवन में बाधा आ सकती है।

गोचर स्थिति

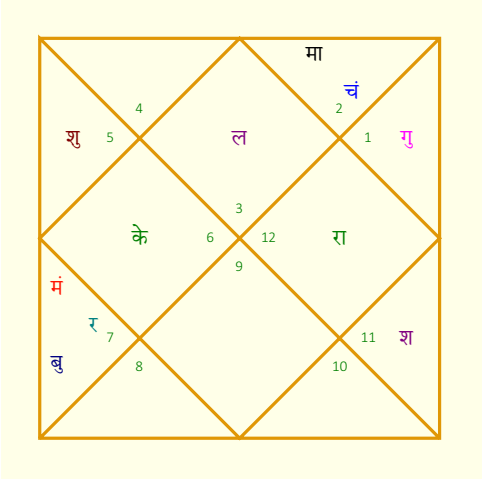

राहु / केतु गोचर फलादेश

राहु और केतु को छाया ग्रह के रूप में जाना जाता है और इनका कोई भौतिक अस्तित्व नहीं होता है। इन्हें चंद्र आयन के नाम से जाना जाता है। ज्योतिष शास्त्र में ये आपको अपने अतीत और वर्तमान जन्म से जोड़ते हैं। केतु दिखाता है कि आपका पिछला जन्म क्या था और राहु दिखाता है कि अब आप इस जन्म में इस धरती पर क्यों हैं । राहु अतीत से अधूरी इच्छाओं को दर्शाता है और केतु दिखाता है कि आपने अतीत में क्या छोड़ा। आपकी जन्म कुंडली में जिस भाव में राहु स्तिथ होता है, वह भाव आपकी अभिलाषाओं और पशे को जानने की कुंजी है। गोचर के दौरान राहु जिस भाव में गोचर कर रहा है, उससे यह अवसर उत्पन्न होंगे। इसलिए जिस भाव में राहु का गोचर हो रहा है, उसकी विशेषताओं की पहचान कर आपनी भविष्य की योजना बनानी चाहिए। केतु भी जिस भाव में स्तिथ हो और जिस भाव में गोचर कर रहा हो उसीसे संबंधित परिणाम दिखाता है । केतु अलगाव, अनासक्ति और अध्यात्म से जुड़ा है। केतु जिस भाव में गोचर करेगा, उस समय ऐसी घटनाएं आपके सामने लाएगा जो आप में अध्यात्म की भावना को प्रेरित कर सकती हैं। सार यह है कि, जिस भी भाव में राहु और केतु अगले १८ महीनों के लिए गोचर करेंगे, वह बहुत घटनापूर्ण समय होगा।

राहु सप्तम भाव में भ्रमण कर रहा हैं

(30-ऑक्टोबर-2023 >> 18-मई-2025)

सातवें स्थान को कुंडली के केंद्र के रूप में जाना जाता है। यह स्थान सामाजिक संबंधों और संपर्कों से जुड़ा है। राहू आक्रामकता और विद्रोही भाव के लिए जाना जाता हैं, इसलिए इस गोचर के दौरान आप सामाजिक और व्यक्तिगत संबंधों पर ज्यादा लक्ष्य करेंगे। सामाजिक दायरे और व्यक्तिगत संबंधों को संतुलित करने में काफी मेहनत लगती है। इस संबंध को बनाए रखने में राहु आक्रामक रुख दिखा सकता है। व्यावसायिक भागीदार और व्यक्तिगत संबंधों के साथ तालमेल बनाकर अनुशासन की जरूरत होती है, एक परिपक्व पुरुष होने के नाते आपको रिश्तों को लेकर यथार्थवादी होना जरूरी है। जैसे-जैसे आप आयु में बड़े होते जाते हैं, आपको अधिक परिपक्व होना चाहिए। कुछ सौदे और अनुबंध मिल सकते हैं जिन्हें कार्यान्वित करने के लिए आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। आपके दीर्घकालिक संबंधों में भी बदलाव आएगा। आप देखेंगे कि आप अपने बच्चों के पीछे काफी समय और ऊर्जा खर्च कर रहे हैं। आप नए लक्ष्य तय करने की कोशिश करेंगे।

मीन जल तत्व की एक द्विस्वभावी राशि हैं। राहु के संक्रमण के भाग के रूप में, आपमें रहस्य विज्ञान के लिए जिज्ञासा विकसित होगी। आप तंत्र मंत्र सीखने की कोशिश करेंगे। आप धर्मार्थ कार्यों पर विचार कर सकते हैं। आप विदेश यात्रा भी कर सकते हैं। आपको कानून का सख्ती से पालन करने की कोशिश करनी चाहिए, अन्यथा अधिकारियों के साथ कुछ मुद्दे हो सकते हैं। आप युवा पीढ़ी की भावनात्मक समस्याओं को सुलझाने के बारे में सोच सकते हैं। आत्म-जागरूकता बढ़ाने के लिए यह अच्छा समय है। इस गोचर में स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हो सकते हैं। आप दुश्मनों पर हावी होने की कोशिश करेंगे, और गोचर के अंत में, आपको अपने शत्रुओं के खिलाफ अनुकूल

परिणाम मिलेंगे। एक पुरुष के रूप में, आपको इस भ्रमण के दौरान बहुत धैर्यवान और परिपक्व होना चाहिए।

केतु प्रथम भाव में भ्रमण कर रहा हैं

(30-ऑक्टोबर-2023 >> 18-मई-2025)

निश्चित रूप से यह गोचर आपके जीवन में बहुत बदलाव लाएगा। केतु स्वयं के, परिप्रेक्ष्य, महत्वाकांक्षा, शरीर और व्यक्तित्व से जुड़े भाव में गोचर कर रहा है। आपके जीवन में कई ऐसी घटनाएं होंगी जो आपको एक पुरुष के रूप में अपना नजरिया बदलने के लिए बाध्य करेंगे। आपकी सेहत का भी ज्यादा ध्यान रखना होगा। आप अलग-अलग आध्यात्मिक तरीकों के लिए कोशिश करेंगे। चूंकि केतु शिर विहीन ग्रह हैं, आपको अपने जीवन में अव्यावहारिक निर्णय लेने के लिए बाध्य कर सकता है। आपको अपने वरिष्ठों से परामर्श करना चाहिए ताकि आप एक परिधीय दृष्टिकोण प्राप्त कर सकें। वे आपकी ओर बड़ी अपेक्षा से देखेंगे। आपकी अपने सहकर्मियों और संघ के सदस्यों के बारे में अलग-अलग राय हो सकती है। आप सक्रिय रूप से एक रचनात्मक समूह में भाग ले सकते हैं। इस उद्यम को सफल बनाने के लिए आपको अतिरिक्त मेहनत करने की जरूरत होगी। सामाजिक दायरे से अलिप्त रहने की प्रवृत्ति रहेगी। आप अपने समूह में समायोजन के बारे में शिकायत करेंगे। प्रणय संबंध को सफल बनाने में काफी मेहनत लग सकती है। आप उच्च बुद्धिमत्ता से संबंधित विषयों का अध्ययन करने में समय बिताएंगी। आप या आपके परिवार के सदस्य दूर की यात्रा कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय यात्रा के अवसर भी आ सकते हैं। अध्यात्म और गूढ़वाद में आपकी रूचि बढ़ेगी।

कन्या पृथ्वी राशि है। केतु अलगाववाद, वैराग्य और अध्यात्म का द्योतक है और मुक्ति पाने का एक संकेतक भी है। इस राशि में केतु का प्रदर्शन अच्छा होता हैं। आप सशक्त होने की कोशिश करेंगे। किसी शत्रु या खतरनाक स्थिति का आपको सामना करना पड़ सकता हैं। आप अपना कर्जा चुकाने की कोशिश करेंगे। आप स्वास्थ्य संबंधी नए कार्यक्रम अपनाने की कोशिश करेंगे। यह गोचर आपकी व्यक्तिगत सफलता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। केतु एक पुरुष के रूप में आपके धैर्य की परीक्षा ले सकता है। आप कुछ स्पर्धाओं में भाग लेने की कोशिश करेंगे। आपको अब और अधिक परिपक्व होना चाहिए और इस भ्रमण के अंत में आपको एहसास होगा कि आपने बहुत प्रगति की है।

परिहार

वर्तमान राहू - केतु संक्रमण अशुभ नहीं है इस लिए आपको किसी ग्रह शांति या इन उपायों की आवश्यकता नही है। संक्रमण के अनुकूल होने से यह समय शुभ फलदायी है। केतु के अनुकूल होनेसे सामन्य जीवन शैली आनंद पूर्वक व्यतित करें।

END OF REPORT

Why get a horoscope guide from Clickastro.com?

With:

more than 90 manuscripts referred to

feedback from over 1,000 astrologers

close to 3,00,000 hours in development and

over 3 decades of expert refinements

you are assured the most accurate calculations go into your horoscope always from clickastro.com

Note:

This report is based on the data provided by you and the best possible research support we have received so far. We do not assume any responsibility for the accuracy or the effect of any decision that may be taken on the basis of this report.

With best wishes :

Astro-Vision Futuretech Pvt.Ltd.

First Floor, White Tower, Kuthappadi Road, Thammanam P.O - 682032

RahKetTransRpt 1.0.1 Build 16 RK1332514pDBm

Contact Us:

Phone: +91(India) 6366920680

E-mail: support@ clickastro.com